

दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने की सहभागिता

आज ही के दिन 2003 में भारत के पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को फिर जोड़ने का फैसला किया था।



दैनिक भास्कर

देश का दिव्यद्वितीय अखबार

वेब: www.dainikbhaskar.com | फोन: 011-26101111 | कुल पृष्ठ: 16 | मूल्य: ₹ 3.00 प्रति

dainikbhaskarup.com

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित



मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। रविवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेश्व द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। इसमें लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेश्व और श्रीमती साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी



प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, ह्यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय

है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्व की एक पुस्तक कमीट द गौड मैनी ए टाइम (मॉडर्न भगवत गीता) का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे, अलका दलाल, अश्वनी

टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथरा, सीए लुकेश सेठी, राधे श्याम, ओम प्रकाश गाबा, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, दीपक प्रुथि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुशील गोयल, रमन जिंदल, पारुल शर्मा, श्रीमती काश, वीणा गांधी और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा। इस भक्तिमय आयोजन में धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

यमुन
प्रथम तल,

सर्वसाधा
जिलाधि
1125/ए
मूलक र
गीतमबुद्ध
ग्राम का
नाम

जगनपुर
अफजलपुर

PIC•COLLAGE

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

गुड़गांव, 1 मई
ब्यूरो): गीता मनीषी स्वामी
ज्ञानानंद महाराज के शिष्य
श्रीजी लोकेशव द्वारा
संचालित श्री कृष्ण
गुरुकुल और श्री सनातन
धर्म सभा मालिबू टाउन ने
मिलकर 108 कुण्डीय
गीता महायज्ञ का सफल



कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यअतिथि बोधराज सीकारी
का स्वागत करते हुए।

आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों
की उपस्थिति में लोगों ने बह-
चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में
भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी
ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता
के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता
महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और
साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय
तरीक्रे से यज्ञ करवाया और अर्जुन
स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी
ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए।
इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने
शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और
सबके मन को मोह लिया। समाजसेवी
बोधराज सीकारी मुख्य अतिथि के तौर

पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त
कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की
प्रशंसा की। कहा कि यज्ञ की शक्ति
को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत
चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन
में अपने धर्म की शक्ति को जानना
बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने
ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो
तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव
होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत
स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका
चिंतन भी किया जाए। गीता में हर
समस्या का समाधान है चाहे वो
व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या
व्यक्तिगत समस्या हो।

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। 30 अप्रैल, रविवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बहू-चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेश्वर और श्रीमती साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति



के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, -यज्ञ

की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए।

गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अध्यास हो। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत

अमर भारती

एकदश

एक उज्ज्वल

108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजित

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिवू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेश्वर और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भाषों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिवू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीफरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और



उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम धुलाते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, यशर्त अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और

उसका चिंतन भी किया जाए। उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर की एक पुस्तक का भी विमोचन बोधराज सीफरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

- श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री रत्नातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि
- आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी



ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो गुरुग्राम। ईश्वर को श्रेष्ठ मनीषी रत्नाती अनन्तर म्हातन के सिध धीवी लोकेरुव ड्रग संचलित श्री कुष गुरुकुल और श्री रत्नातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने फिलर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सपन आयोजना किया। लगभग 200 चरिधरी के उपसंघ में लोगों ने बह-बहतर इस गीता अगुण्डीय में धम सिध और गीता मनीषी रत्नाती अनन्तर महायज्ञ के ड्रग रंजित गीता के सभ्य स्तोत्रों के ड्रग गीता महायज्ञ किया। श्रीवी लोकेरुन और श्रीमती सखी ने बहूत ही धनपूर्व संघिगम्य वरुंके से यद करवाध और अर्जुन स्तुति के भवों के सभ-सभ श्रीवी सखी ने सुंर-सुंर भवन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने तिन नूच की सुंर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अनसर पर सभ्यसंघी नोधमन सीकरी मुख अतिथि के तौर पर उपसंघ डे और उन्होंने भी कुल षड से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रसंसा की। उन्होंने कहा कि, यद की सभ्यसंघी ड्रग प्रुत्ते ना छे ई नोकि सभ्यसंघी का सिध है। मनुष्य को जीवन में अपनी धर्म को सभ्यसंघी

सभ्यसंघी बहूत अवसरक है। अगर अपन अपनी प्रेरी का सिध अल्पन ही कर लो तो अपन को बहूत ही विशिध अनुभव होने लगेगे, बहूत अवसर उपरत वनस्यव, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जासं। गीता में डर सभ्यसंघी का सगंधन है नादे नो न्यासिक ही स लकवतारिक ही स लकवतार सगंधन ही। नोधमन सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसने स्लोक को निरंतर पुंरुन सिधेनकणक सुंरुषेध से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रयान करने का अण्वाड हो। इस अनसर पर श्रीवी लोकेरुव ने यद और देनतओं का जीवन में सपनता

से संसंध, यद की निरंतरता और धनपूर्व प्रस्तुति का महल नसाध और सभ्य में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माधम से अब कल हवारे धरी में होने वाली सभ्यसंघी और अपने बच्चों से हवारे सिधे क्यों सृषव हो रही हैं, इस पर एक सुंर नसंन्य प्रस्तुत किया जब उसको कृष्ण अर्जुन संवर से कल रूप में भी नोसा। इस अनसर पर श्रीवी लोकेरुव को एक पुंरुन MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Bagwat Gita) का भी निगीनन नोधमन सीकरी के ड्रगों से करवाध गया। इस दौरान निरिध अतिथि के

रुग में उपसंघ ड्रगों सलूब ने भी अपने निरकर रहे, अलस दलल, अलस टीटर, अलस कोडली, संवील लुष, सौर लुकेस सेरी, एपे सभ्य, अंम प्रकास गज, उगेस सभ्य, सिधस गोवत, सुवील सिध, निरीर सभ्य, देवक सुंर, गीत गुरु गनु सभ्य, सभ्य सिधस सौर के सुवील गोवत, रमन चिंरल, सारल सभ्य, श्रीवील सभ्य, नोधा सभ्य और एकता गोवत द्रगों का भी ड्रग अगीनन में मुख नोधमन का। इस सभ्यसंघी आयोजना में धीरि नसाध, सभ्य काध, मवीर सैसई, वनरीस कुनरेन, न्येसस नसाध और रनत नसाध की गीरिधसंघी उपसंघि रही।

जगत क्रान्ति

द्वितीय 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति का आयोजन

जगत क्रान्ति ॥ एमके अरोड़ा

बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन
उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन

गुरुग्राम : गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा सामुहिक रूप से 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 से अधिक परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साक्षी ने संगीतमय शैली में यज्ञ संपन्न कराया। साक्षी ने भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को



भी किया जाए। इस अवसर पर धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अलका दलाल, अश्विनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथरा, सीए लुकेश सेठी आदि मौजूद रहे।

भारत सारथी

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति



श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि

आत्मबोध के लिए धार्मिक यज्ञों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन धरम आवश्यक : बोधराज सीकरी

होने वाली समस्तकों और अपने बच्चों से हमारे लिये कभी श्रुतब हो नको है, इस पर एक सुंदर नकल प्रस्तुत किया गया उसको कृष्ण अर्जुन संगीत से कानन रूप में भी नोए। इस अवसर पर श्री श्री लोकेश्वर की शुक पुस्तक। MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Bagwat Gita) का भी निर्गोचन बोधराज सीकरी के द्वारा से करवाया गया।

इस दौरान विविध अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने निःकार रहे, अलंकार दलाल, अरुणवी टन्डन, अशोक कोहली, संजीव लुधन, सोर लुधन सेरी, एपे स्वाय, ओम प्रकाश गन्ध, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, निरंज शर्मा, टीका प्रुति, योग गुरु मनु शर्मा, भावा विकास शरिफ के सुशील गोयल, रमन बिंदल, पारुल शर्मा, शीमली सराव, नोवा शोभी और एकल गोयल इत्यादि का भी इस अवसर में मुजन बोधराज का। इस धर्मिण्य अवसर में धर्मि बसाव, योग कायम, मर्बेद गोसई, जगदीश मुन्डेव, ज्योतसा नबन और रसत नबन की परिणयशी उपस्थित रही।

भारत सारथी
बुद्धिमान। उनकार की शैल कभीभी स्वामी ज्ञानरंज महायज्ञ के विना श्री श्री लोकेश्वर द्वारा संजलित श्री कृष्ण मुकुट और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने फिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिशरी की उपस्थिति में लोगों ने ऋ-ऋकर इस शैल समुत्पत्केरुय में भग सिंह और शैल श्री श्री स्वामी ज्ञानरंज महायज्ञ के द्वारा संजलित गीता के कान्य हस्तियों के द्वारा शैल महायज्ञ किया। श्री श्री लोकेश्वर और श्रीमती राशी ने बहुत ही धनपूर्ण संशोधन उपदेश से यह करवाया और अर्जुन स्तुति के भानों

के साथ-साथ श्रीमती राशी ने सुर-सुर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने सित नृत्य की सुर प्रस्तुति दी और सन्के मन की शैल लिखा। इस अवसर पर सभासमेकी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुन बंन से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, यह नो शक्ति को हम फुल्लो वा रहे हैं नोकि अनंत चिंत का निषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म को शक्ति को बानस बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने धर्मों का रिफु अवयन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभन होने लगेगे, बसरी

अनुभन उपरंत स्वध्याय, समीक्षा, मंथन और उक्त चिंतन भी बिना का-मीता में इर सारथ का समायन है चरे वो जगर्भिक हो या नकनार्भिक हो यन्मिणमत समस्त्य हो।
बोधराज सीकरी ने शैल के द्वारा अनुभव के दानें स्लोक को बिस्तर पूर्वक विवेकमक दुषिकोष से प्रस्तुत किया जकि लोगों को जीवन में प्रयन रहने का अरुणस हो। इस अवसर पर श्री श्री लोकेश्वर ने यह और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यह की निर्लला और धनपूर्ण प्रस्तुति का महान न्याय और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से जवन बल हमारे धर्मों में

गुड़गांव टुडे

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

■ आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी।

■ गीता महायज्ञ के दौरान अर्जुन स्तुति भी की गई।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया।

लगभग 200 परिवारों ने बहू-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी



ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी

बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे,



बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने

बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा

गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफ़लता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व

उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे, अलका दलाल, अश्वनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथरा, सीए लुकेश सेठी, राधे श्याम, ओम प्रकाश गाबा, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, दीपक पृथि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुशील गोयल, रमन जिंदल, पारुल शर्मा, श्रीमती काश, चीणा गांधी और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा।

इस भक्तिमय आयोजन में धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, गर्बेंद्र गोसाईं, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।



मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ



गुरुग्राम में गीता महायज्ञ के दौरान पुस्तक का विमोचन करते समाजसेवी बोधराज सीकरी।

पार्याणियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया।

लगभग 200 परिवारों ने बहू-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट

गीता महायज्ञ के दौरान अर्जुन स्तुति भी की गई

अनुभव होने लगेंगे, वरतें अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव को एक पुस्तक का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे।

ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : www.jyotidarpan.com

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता
गुरुग्राम। 30 अप्रैल, रविवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मॉडल टाउन ने मिलकर 108 कृष्ण गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बह-चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेश्वर और श्रीमती साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मॉडल टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, 'यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लें तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका



चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या ज्ञानगत समस्या हो।

बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय

के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर ने यज्ञ

और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरो में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते नये खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर की एक पुस्तक 'MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Bagwat Gita)' का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हथों से करवाया गया।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलुजा ने भी अपने विचार रखे, अल्फा दलाल, अश्वनी टंडन, अनीश कोरूनी, संजीव लुथरा, सीए लुनेश सेठी, राधे श्याम, ओम प्रकाश गाना, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, दीपक पथि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुशील गोयल, रामन जिंदल, पारुल शर्मा, श्रीमती कक्षा, वीणा गांधी और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा।

इस भावितमय आयोजन में धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, गजेन्द्र गोसाई, जगदीश कुन्दरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakaawaz@gmail.com
www.haryanakaawaz.in

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

7:13 AM

वर्ष : 14 अंक : 313

भिवानी मंगलवार 02 मई 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

कुल पृष्ठ : 8

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

**गीता महायज्ञ के दौरान
अर्जुन स्तुति भी की गई**

गुरुग्राम(राकेश)। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्री जी लोकेश्वर और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत



चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर की एक पुस्तक का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचारों को

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम्स

हिन्दी दैनिक पेपर

मंगलवार

गुरुग्राम

दिनांक : 2/5/23

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी



मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति।

श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम्स) गुरुग्राम 30 अप्रैल, रविवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया।

श्रीजी लोकेशव और श्रीमती साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, "यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे, अलका दलाल, अश्वनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथरा, सीए लुकेश सेठी, राधे श्याम, ओम प्रकाश गाबा, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, दीपक प्रुथि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुशील गोयल, रमन जिंदल, पारुल शर्मा, श्रीमती काश, वीणा गांधी और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा। इस भक्तिमय आयोजन में धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, गजेंद्र गोसाईं, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बुलंद खोज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मालिबू टाउन में हुआ द्वितीय 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति का आयोजन

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा सामूहिक रूप से 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 से अधिक परिवारों ने बद्ध-चढ़कर हिस्सा लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेश्वर और साक्षी ने संगीतमय शैली में यज्ञ संपन्न कराया। साक्षी ने भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादरी महासंघ के अध्यक्ष बोधराज सीकरी



कार्यक्रम में शामिल अतिथि का स्वागत करते आयोजक।

ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लें तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्तें अध्ययन उपांगत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में

हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के 10वें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अध्यास हो। श्रीजी लोकेश्वर ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया।

श्रीजी लोकेश्वर की एक पुस्तक का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। विशिष्ट अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामर, गजेंद्र गोसाईं, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अलका दलाल, अश्विनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथर, सीए लुकेश सेठी आदि मौजूद रहे।

ओपन सर्स

मालिबू टाउन गुरुद्वाम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी

ओपन सर्स/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम (एडिटर) को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महायज्ञ के शिष्य श्रीजी लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण मुलकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलाकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिचरों की उपस्थिति में लगभग 100-120 कदमों पर गीता अष्टाध्यायी महायज्ञ में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महायज्ञ के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया।

श्रीजी लोकेश्वर और श्रीमती साधी ने बहुत ही भावपूर्ण संघीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के धारों के साथ-साथ श्रीमती साधी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह दिया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्ता कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, "यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत निराशा का विषय है।

■ श्री कृष्ण मुलकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि

मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को ज्वनना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने धर्मों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बसंतों अध्ययन उपरंत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए गीता गेंडर सागर का सम्बन्धन है चाहे वो व्यापारिक हो या पब्लिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रश्न रहने का अभाव हो। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया



और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे परों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिस्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर कवच प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश्वर की एक पुस्तक I MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Bagwat Gita) का भी निमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सन्तुजा ने भी अपने विचार रखे, अलका दलाल, अस्पनो टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लुथरा, रीए लुकेस सेठी, खे रथान, आम प्रकाश गाना, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील शिंदे, विवेक शर्मा, दीपक प्रिय, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुरवील गोयल, रमन बिंदल, पाहल शर्मा, श्रीमती कारा, योग गांधी और एकल गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा। इस धार्मिक आयोजन में धर्मोद्धार, रमेश कागरा, मर्गेद गोसई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमावी उपस्थिति रही।

दैनिक उजाला आज तक

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक गुरुग्राम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य लोकेश्वर द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ-वढकर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। लोकेश्वर और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति

दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, द्वयज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेगे, बशर्त अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है वही वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत



समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो। इस अवसर पर लोकेश्वर ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यो खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर लोकेश्वर की एक पुस्तक का भी

विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलुजा ने भी अपने विचार रखे, अल्का दलाल, अश्वनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लुयरा, सीए लुकेश सेठी, रावे श्याम, ओम प्रकाश गाबा, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, दीपक प्रुधि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुरशील गोयल, रमन जिंदल, धारुल शर्मा, श्रीमती काश, वीणा गांधी और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा। इस भक्तिमय आयोजन में धर्मद बजाज, रमेश कामरा, मजेंद्र गोसाईं, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।



मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति।

ajeybharat © Monday, May 01, 2023

श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि।



आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी



POSTING

Bodhraj Sikri - आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक

 Viral Sach · May 4, 2023 · Six Comments ·  6 ·  2 minutes read



Viral Sach - गुरुग्राम। Bodhraj Sikri - रंजितर की गीत मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशन द्वारा संभाषित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभ महसियू टाउन ने मिलकर 108 मुख्यदीय गीता महापत्र को सफल आयोजन किया।

कारण 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने यह महत्त्वपूर्ण इस गीत अभियान में भाग लिया और गीत मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रंजित गीत के कला परियों के द्वारा गीत महत्त्व किया।

